

- (2) A copy each (in English and Hindi) of the following papers:—
- (II) (a) Annual Report and Accounts of the Export Inspection Council and Export Inspection Agencies (Volume-II), for the year 1993-94, together with the Audit Report on the Accounts.
- (b) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (a) above  
[Placed in Library. See No. LT. 8083/95]
- (III) (a) Twenty-ninth Annual Report and Accounts of the Federation of Indian Export Organisations, New Delhi, for the year 1993-94, together with the Auditors' Report on the Accounts.
- (b) Review by Government on the working of the above Federation.
- (c) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (a) above.  
[Placed in Library. See No. LT. 8089/95]
- (IV) A copy (in English and Hindi) of the Ministry of Commerce, Notification S.O. No. 616(E), dated the 7th July, 1995, publishing the Tea (Distribution and Export) Control (Amendment) Order, 1995.  
[Placed in Library. See No. LT. 8081/95]

**REPORT OF THE DEPARTMENT-RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON COMMERCE**

**SHRI INDER KUMAR GUJRAL (Bihar):** Sir, I present the Fifteenth Report (in English and Hindi) of the Department-Related Parliamentary Standing Committee on Commerce, on the Sick Textile Undertakings (Nationalisation) Amendment Bill, 1995 and the Textile Undertakings (Nationalisation) Bill, 1995.

**STATEMENT BY MINISTER**

**On accident involving Purushottam Express and Kalindi Express trains near Ferozabad on 20th August, 1995—Contd.**

श्री संघ प्रिय गौतम: प्रधान मंत्री जी कहाँ हैं। प्रधान मंत्री जी को बुलाएं..(व्यवधान)

डा. मुरली मनोहर जोशी: प्रधान मंत्री जी को बुलाइए। प्रधान मंत्री जी को जवाब देना था..(व्यवधान)

श्री सतीश अग्रवाल: प्रधान मंत्री जी का उत्तर नहीं होगा, मल्लिकार्जुन जी नहीं बोलेंगे..(व्यवधान) जबकि मल्लिकार्जुन जी बोलने वाले थे..(व्यवधान)

श्री सत्य प्रकाश मालवीय: जो आइटम चल रहा था उसका क्या हुआ..(व्यवधान) जो लिस्टेड आइटम था उसका क्या हुआ।

डा. मुरली मनोहर जोशी: हमें प्रधान मंत्री चाहिए। उनका जवाब चाहिए..(व्यवधान) इतने गंभीर हादसे के बाद प्रधान मंत्री जी अनुपस्थित रहेंगे..(व्यवधान) वे कहाँ हैं। प्रधान मंत्री जी को बुलाइए..(व्यवधान) यह तो इस प्रकार से हजारों लोगों के जीवन से खेला जा रहा है। सैकड़ों लोगों की मृत्यु हो गयी है और इतनी गंभीर रेल दुर्घटना हुई है। उसके परन्तु भी सरकार उसमें कोई रिस्पांस करने के लिए तैयार नहीं है। प्रधान मंत्री जी यहां आएँ और जो कहा गया है उसका उत्तर दें। हम यह चाहेंगे कि जब तक रेल दुर्घटना के बारे में चर्चा समाप्त नहीं होती है और कोई बिजिनेस न हो..(व्यवधान) यह तो प्रश्नकाल ही आपने इसलिए स्थगित किया था कि यह सारी चर्चा चलती रहे और वह चर्चा चल रही थी। इसके बीच में प्रधान मंत्री जी यहां पधारे थे। हमने उनसे अनुरोध किया था..(व्यवधान)

श्री सुरेश कलमाडी: आप सुनने को तैयार नहीं हैं..(व्यवधान)

डा. मुरली मनोहर जोशी: प्रधान मंत्री जी उत्तर देंगे कि नहीं..(व्यवधान)

**SHRI V. NARAYANASAMY:** Sir, I am on a point of order.

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI):** What is your point of order?

**SHRI V. NARAYANASAMY:** Sir, my point of order is that in the morning they did not allow the Minister to reply. (Interruptions) Unfortunately, the B.J.P. Members had walked out of the House.

**SHRI SUNDER SINGH BHANDARI:** No. The Deputy Chairman adjourned the House. Nobody walked out. (*Interruptions*) She adjourned the House for lunch. (*Interruptions*)

**डा० मुरली मनोहर जोशी:** उपसभाध्यक्ष महोदय, आप श्री नारायणसामी जी को कहिए कि वह प्वायंट आफ् आर्डर के नाम पर हाउस में डिसआर्डर पैदा कर रहे हैं। ... (व्यवधान)

**SHRI V. NARAYANASAMY:** They did not allow the Minister to answer. (*Interruptions*)

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI):** We have other business to take up.

**SHRI SURINDER KUMAR SINGLA:** Sir, I am on a point of order.

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI):** What is your point of order? Please go to your seat first.

**SHRI V. NARAYANASAMY:** Sir, I have not yet completed my point of order.

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI):** You have already made your submission.

**SHRI V. NARAYANASAMY:** Then ruling may be given on my submission.

**SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA:** You have not submitted anything. (*Interruptions*)

**SHRI SURINDER KUMAR SINGLA:** Sir, they were seeking clarifications, but they were not allowing the Minister to answer.

**SHRI KRISHAN LAL SHARMA:** Sir, I am on a point of order.

**SHRI V. NARAYANASAMY:** Sir, they were not allowing the Minister to answer.

**THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI):** Let him make his submission, Narayanasamy Ji.

**SHRI V. NARAYANASAMY:** Sir, in the morning they did not allow the Minister to answer. (*Interruptions*)

**श्री कृष्णलाल शर्मा (हिमाचल प्रदेश):** उपसभाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ् आर्डर यह है कि रेल एक्सीडेंट को लेकर चर्चा शुरू हुई थी। ... (व्यवधान) फिर हाउस एडजर्न हुआ है। वह चर्चा अब फिर शुरू होनी चाहिए

थी। उसके लिए न प्राइम मिनिस्टर हाउस में हैं और न कंसर्न मिनिस्टर हाउस में हैं, तो क्या गवर्नमेंट की तरफ से उस चर्चा को स्थगित किया जा रहा है? मैं आपकी इसमें रूलिंग चाहता हूँ कि वह चर्चा चल रही है या समाप्त हो गई है? उस चर्चा का क्या हुआ इस पर हमें रूलिंग चाहिए?

**SHRI SURINDER KUMAR SINGLA:** They should be ashamed of the way they are treating the House.

**मौलाना औबैदुल्ला खान आजमी (उत्तर प्रदेश):** मुझे यह अर्ज करना है कि सुबह सिकन्दर बख्त साहब ने प्राइम मिनिस्टर साहब के आने के बाद जब चेयर ने यह कहा कि मल्लिकार्जुन साहब बोलेंगे तो यहाँ से एक एतराज हुआ कि सुबह गवर्नमेंट ने यह आश्वासन दिया है कि जब प्राइम मिनिस्टर साहब ग्यारह बजे आ जायेंगे और जितने लोग बोलने के बाकी हैं वे उनके सामने अपनी बात रखेंगे और उसके बाद प्राइम मिनिस्टर साहब जवाब देंगे। यह कोई पौलिटिक्स की बात नहीं है। एक तो बहुत ही संजीदगी के साथ इस बात को हमको मानना चाहिए कि तीन सौ आदमी .... (व्यवधान) हाँ, कम से कम तीन सौ आदमी ज्यादा से ज्यादा की अभी तादाद मुकर्रर नहीं की गई है। मैं कहता हूँ कि हम ही लोगों में से हमारे जिम्मेदार लोग थे, शहरी थे, बहुत बड़ी दुर्घटना हुई है। उसको इतने गैर-जिम्मेदाराना तरीके से लेने की जरूरत नहीं है। जब यह बात गवर्नमेंट से तय हो गई थी कि प्राइम मिनिस्टर साहब के आने के बाद जितने लोग बाकी हैं वे बोलेंगे और उसके बाद प्राइम मिनिस्टर साहब उसका जवाब देंगे तो गवर्नमेंट को अपनी कही बात पर कायम रहना चाहिए या नहीं? आज हम पूरे मुल्क को क्या मैसेज देना चाहते हैं? क्या हम उनकी लाशों के साथ भी खिलवाड़ करना चाहते हैं, जो लोग इस तरह से मारे गए हैं? मैं डिमांड करता हूँ कि प्राइम मिनिस्टर साहब को बुलाया जाए और प्राइम मिनिस्टर साहब जवाब दें।

۱۱ مولانا عبید اللہ خان اعظمی "آتر پریشن":  
مجھے یہ عرض کرنا ہے کہ صبح سیکندر بخت صاحب  
نے پرائم منسٹر صاحب کے آئے کے بعد جب  
چیر مین نے یہ کہا کہ ملک ار جن صاحب بولیں گے  
تو یہاں سے ایک اعتراض ہوا کہ صبح کو گورنمنٹ

[1] Transliteration in Arabic Script.

نے یہ آڑھوں سے دیا ہے کہ جب پیراٹم منسٹر  
 ساڑھے گیارہ بجے آجائے اور جتنے لوگ  
 بولنے کے باقی ہیں وہ دیکھ سکتے ہیں اپنی بات  
 رکھیں گے۔ اور اس کے بعد پیراٹم منسٹر صاحب  
 جواب دیتے۔ یہ کوئی پولیٹیکس کی بات  
 نہیں ہے۔ ایک تو یہ ہے کہ میں نے  
 ساتھ اس بات کو ماننا چاہتا ہے کہ میں سمجھ  
 آ رہی ہوں۔ "مداخلت" ہاں کم سے کم  
 تین سو آدھی زیادہ سے زیادہ کی ابھی  
 تہہ اور مقرر نہیں کی گئی ہے۔ میں کہتا چاہتا  
 ہوں کہ اگر کم ہی نوٹوں میں سے ہمارے  
 ذمہ دار نوٹ تھے۔ شہری تھے۔ بہت  
 بڑی درگھٹا ہوئی ہے۔ اس کو اتنے غور سے دیکھنا  
 کہ اس سے لینے کی ضرورت نہیں ہے۔ جب  
 یہ بات کو غور سے دیکھیں تو پیراٹم منسٹر  
 صاحب کے آنے کے بعد جتنے لوگ باقی ہیں وہ  
 بولیں گے اور اس کے بعد پیراٹم منسٹر صاحب  
 اس کا جواب دینگے تو غور سے دیکھنا چاہیے  
 بات پیراٹم منسٹر صاحب سے یا نہیں آج ہم  
 پر سبک کو کیا بیسیج دینا چاہتے ہیں۔  
 کیا ہم اتنی لاکھوں کے ساتھ بھی کھلواؤ  
 کرنا چاہتے ہیں۔ جو لوگ اس طرح سے  
 مارے گئے ہیں۔ میں ڈرمانڈ کرتا ہوں  
 کہ پیراٹم منسٹر صاحب کو بلا دیا جائے اور  
 پیراٹم منسٹر صاحب جواب دیں۔]

ہی تاریدگی ہو سکتی थी कि मल्लिकार्जुन जी के नोट्स  
 प्रधान मंत्री ले लें और प्रधान मंत्री उस पर अपना जवाब  
 तैयार कर लें। इसलिए हम लोग यह आशा लगाए थे कि  
 दो बजे जब सदन बैठेगा तो प्रधान मंत्री सीधे आकर चर्चा  
 का जवाब देना प्रारंभ करेंगे जोकि उस विषय की तार्किक  
 परिणति थी, लॉजिक कनक्लूजन था, लेकिन मुझे हैरानी  
 है और दुख भी है कि प्रधान मंत्री है और नोट्स लेनेवाले  
 मंत्री भी नदारद हैं और सीधे दूसरा विषय शुरू हो गया—पेपर  
 ले करना शुरू हो गया, लेजिस्लेटिव डिपॉजिट हो  
 गया। तो उपाध्यक्ष महोदय, यह क्या है? यह विषय की  
 कौन सी गंभीरता हम देख रहे हैं, जांच कर रहे हैं और  
 लोगों को क्या संदेश दे रहे हैं। इसलिए मेरा व्यवस्था का  
 प्रश्न भी है और आप से अनुरोध भी है कि सुबह  
 भोजनावकाश से पहले चलने वाले विषय को तार्किक  
 परिणति तक अंजाम दीजिए। प्रधान मंत्री को सदन में  
 बुलवाइए और सीधे चर्चा का जवाब प्रारंभ करवाइए  
 प्रधान मंत्री से। केवल यही एक मांग है सदन की और  
 दूसरा कोई विषय सदन इस समय ले नहीं सकता है जब  
 तक कि प्रधान मंत्री जी उस चर्चा का जवाब नहीं दे देते।

श्री सत्य प्रकाश मालवीच (उत्तर प्रदेश): माननीय  
 उपसभाध्यक्ष महोदय, जो हृदय-विदारक रेल दुर्घटना हुई,  
 उस पर माननीय मंत्री जी ने अपना वक्तव्य दिया और  
 बीच में प्रधान मंत्री जी भी आए, लेकिन किसी कारणवश  
 माननीय उपसभापति जी ने करीब पौने एक बजे इस सदन  
 को स्थगित कर दिया और आदेश दिया कि अब दो बजे  
 हम बैठेंगे। अब दो बजे जब हम यहां बैठे तो प्रधान मंत्री  
 जी भी अनुपस्थित हैं और वह मंत्री महोदय श्री मल्लिकार्जुन  
 जी भी अनुपस्थित हैं। इसलिए मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है  
 कि सदन की उपेक्षा है, सदन के सदस्यों की उपेक्षा है,  
 सदन के सदस्यों के अधिकार की उपेक्षा है और इस  
 उपेक्षा के लिए आप व्यवस्था दें, प्रधान मंत्री जी को  
 बुलवाएं और जो स्पष्टीकरण पूछे गए हैं, उन का उत्तर  
 प्रधान मंत्री जी दें।

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh):  
 Mr. Vice-Chairman, if we in the House  
 demanded a reply from none other than the  
 Prime Minister, there is no one to blame except  
 the Prime Minister himself because our Prime  
 Minister is in the habit of taking over portfolios  
 after portfolios. ... (Interruptions)...

THE MINISTER OF STATE OF THE  
 MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT  
 (SHRI JAGDISH TYTLER): It is irrelevant.

How is it connected to this ..(Interruptions)...

**SHRI JAGESH DESAI:** This kind of remark should not go on record. It is denigrating and insulting.

**MISS SAROJ KHAPARDE:** I think this is really unfair. ..(Interruptions)...

**DR. MURLI MANOHAR JOSHI:** There is nothing unparliamentary. It is a matter of fact.

**SHRI KRISHAN LAL SHARMA:** There is no unparliamentary word. It is not a derogatory remark.

**SHRI SURINDER KUMAR SINGLA (Punjab):** Is Mr. Jaipal Reddy serious about the railway accident? Is he just discussing the portfolio of the Prime Minister? It is a very serious matter.

**DR. MURLI MANOHAR JOSHI:** I agree with you. It is very serious. That is why ....(Interruptions)...

**SHRI SURINDER KUMAR SINGLA:** I would appeal to that section of the House to take this national tragedy seriously rather than indulging in ....(Interruptions)... Kindly listen to me. ..(Interruptions)... Please do not play politics with people's lives. ..(Interruptions)...

**SHRI S. JAIPAL REDDY:** I was making my observations in all humility and in all seriousness because the House cannot take a reply from any other person than the concerned person under the rules. In the forenoon, the concerned Minister—in this case, the Prime Minister—was present in the House. Some other Minister was replying which is not correct under the rules. If the Prime Minister handles so many portfolios and if it is difficult, are we to blame for it? That is the point I was trying to stress. If he saddles himself with so many portfolios, it is for him to handle. But that cannot take away the right of the House to demand a reply from the Minister. This right of the House cannot be compromised like that.

**SHRI G. SWAMINATHAN:** The only point I would like to raise is this. If somebody explains, he should be responsible for that explanation. Now there is no Minister. The hon. Minister of Railways, Mr. Jaffer Sharief, has gone for his treatment. We wish him well. But, in his absence, the Prime Minister is in charge.

It is very unfortunate that there is no State Minister or Deputy Minister. (Interruptions). If there is a State Minister, because the Cabinet Minister is not there, the State Minister can reply. Even if the State Minister is not there, a Deputy Minister, if he is a Minister concerned with the Railways, can give the reply. Their reply may be that a Minister is responsible for the totality of the Government. But this is a serious matter on which no Minister can give a satisfactory answer to the Opposition because the Opposition is concerned. That is one point. We thought that having come here, the Prime Minister would give a fitting reply to the Opposition. The Opposition is concerned; not concerned about the accident alone, but also about what they are going to do in future. That is what we are interested in. In future, this should not be repeated. We wanted to know from the words of the Prime Minister that he would .....(Interruptions). Only one minute. The reason why we have been asking for this is, the Parliamentary Affairs Minister, Mr. Shukla, told the Opposition in the morning that the Prime Minister would reply. You cannot renege on the words of the hon. Minister. If he had not assured the Opposition, we would not have asked for it. He himself stated that the Prime Minister would reply. Are you going back on his words? We want to know that.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): श्री सुरेश कलमाडी।

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब, मुझे एक बात खाली पूछनी है कि यह सिलसिला कब तक जारी रहेगा? यह दुरुस्त नहीं है। जहां सिलसिला खतम हुआ था, वहां से शुरू होना चाहिए। अगर वहां से शुरू नहीं हो रहा तो मुझे ऐसा लगा रहा है कि .... (व्यवधान)..... नए किसम की बहस के लिए खिड़कियां खोली जा रही हैं। क्या मतलब है इसका? .... (व्यवधान).....

† [श्री सुरेश कलमाडी: सदर صاحب مجھے ایک بات خالی پوچھنی ہے کہ یہ سلسلہ کب تک جاری رہے گا یہ درست نہیں ہے۔ جہاں سلسلہ ختم ہوا تھا وہاں سے شروع ہونا چاہیے۔ اگر وہاں سے شروع نہیں ہو

†] Transliteration in Arabic Script.

رہا ہے تو مجھے ایسا لگ رہا ہے کہ "مداخلت"  
 نئے قسم کی بجٹ کیلئے تحریکیاں کھولی جا رہی  
 ہیں۔ کیے مطالب ہے اسکا "مداخلت" [۰۰۰]

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचौरी): मैम्बर्स के इस संबंध में क्या मत है, क्या व्यूज है यह जानने के बाद कुछ डिस्सीजन लेंगे। ....

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहब, यह बिल्कुल दुरूस्त नहीं है। मुझे लग रहा है कि कोई नए किस्म के सिलसिले के दरवाजे खोले जा रहे हैं। वह ठीक नहीं है। ... (व्यवधान).....

† [श्री सुरेश कल्मادی: सदर صاحب...  
 بالکل درست نہیں ہے۔ مجھے لگ رہا ہے کہ  
 کوئی نئے قسم کے سلسلے کے دروازے  
 کھولے جا رہے ہیں۔ وہ ٹھیک نہیں ہے۔  
 "مداخلت" [۰۰۰]

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: जब तक प्राइम मिनिस्टर नहीं आते, तब तक हाऊस एडजोन कर दीजिए। दूसरा कोई काम नहीं हो सकता। .... (व्यवधान).....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): What is your point, Mr. Suresh Kalmadi? (Interruptions). Let him speak. I will ask the Minister to react.

श्रीमती सुवर्णा स्वराव: इस सदन का कोई मातांर नहीं है, प्रधान मंत्री इस्तीफा दें। .... (व्यवधान)..... नहीं तो यहाँ आकर बोलकर इस्तीफा दें। .... (व्यवधान).....

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Sir, I would like to bring it to the notice of the House that in this train accident, 30 athletes who were there in a national camp and were on their way back, also perished along with three of the very prominent coaches who were training them. Through you, Mr. Vice-Chairman, I would like to pay condolences and tell the bereaved families that we all care and we feel very, very bad about it.

Mr. Mallikarjun was here in the morning. The Government reacted very promptly. They sent Mr. Mallikarjun to the site. (Interruptions).

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI (Rajasthan): Why only Mr. Mallikarjun? Why not you? That is the point.

SHRI SURESH KALMADI: Mr. Mallikarjun went to the site of the accident and prompt action has been taken. Here also, the matter was raised in the House and a statement was made. A lot of clarifications were asked and when Mr. Mallikarjun started giving the reply—he spoke on some points— (Interruptions)

SHRI JIBON ROY: Who is he? (Interruptions)

SHRI SURESH KALMADI: But the Opposition was not allowing the House to function and because of that, the House was adjourned. You should not plead as if we were not interested. This is a matter of a great tragedy and we all are equally interested in the matter. I do not know why the Opposition used the obstructionist tactics when the Minister wanted to give his reply. (Interruptions) The Prime Minister would have spoken definitely, but the Opposition did not want this to happen. (Interruptions) They wanted to politicise the issue and that is why the House was abruptly adjourned. That must be put on record.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Shri Buta Singh (Interruptions)

THE MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION (SHRI BUTA SINGH): Mr. Vice-Chairman, Sir ... (Interruptions)

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Who is he? (Interruptions) Can anyone answer on behalf of the Government? (Interruption) If it is so, then why Buta Singh and why not Jagdish Tytler? (Interruptions) We want a reply from the concerned Minister. (Interruptions)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: बूट सिंह जी, आप कैसे खड़े हो गए? ... (व्यवधान) ..

SHRI SURESH KALMADI: Mr. Buta Singh is a senior Minister. Why don't you listen to him? (Interruptions)

† [ ] Transliteration in Arabic Script.

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Is he replying or is he also raising a point of order?

डा० मुरली मनोहर जोशी: उपसभाध्यक्ष महोदय, आप कृपा करके यह बताएं कि प्रधान मंत्री जी कब पधार रहे हैं?

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचीरी): आप बूटा सिंह जी को सुनिए शायद फल्लं चल जाए।

डा० मुरली मनोहर जोशी: हम आपके माध्यम से जानना चाहते हैं कि प्रधान मंत्री कब पधार रहे हैं, आप सूचित करें हमें। ..(व्यवधान).. सदन के अध्यक्ष का यह कर्तव्य होता है कि वह हमें यह बताएं। ..(व्यवधान)..

SHRI R. MARGABANDU: Though there is the joint responsibility of the Cabinet towards the House, the concerned Minister is responsible for giving the answer. (Interruptions)

SHRIMATI MIRA DAS: When I was asking clarifications, my point was: "Why are there four Parliamentary Affairs Ministers? Why is there not a single Minister in charge of the Railways who can answer this point?" Can Mr. Buta Singh answer this point? My point was that. (Interruptions)

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: He has no *locus standi* to reply on behalf of the Government. (Interruptions) Is he on a point of order? (Interruptions) I want your ruling.

SHRI BUTA SINGH: Sir, I am making an observation... (Interruptions)

डा० मुरली मनोहर जोशी: प्रश्न केवल एक है कि जो चर्चा चल रही थी, वह कब रिप्लाय करेंगे? (व्यवधान)..

उपसभाध्यक्ष (श्री सुरेश पचीरी): मेरी बात तो सुनिए। ..(व्यवधान).. मंत्री का रिप्लेक्सन तो सुन लीजिए। ..(व्यवधान)..

कई माननीय सदस्य: नो।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी: मतंग सिंह जी हैं ..(व्यवधान).. आज इनको सुनने का प्रश्न ही नहीं है ..(व्यवधान)..

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: What is his reply?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH PACHOURI): Mr. Parliamentary Affairs Minister, what is your reaction? (Interruptions) Let me know what the Minister of State for Parliamentary Affairs has to say. (Interruptions)

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: We are not prepared to listen to him. Let a senior Minister explain. (Interruptions)

SHRI SUNDER SINGH BHANDARI: Let the Minister of State for Home Affairs speak on this. Anyone can answer. You can also answer. (Interruptions)

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मतंग सिंह): उपसभाध्यक्ष महोदय, आज सुबह जब चेयरमैन साहब के कमरे में लीडर आफ अपोजीशन के साथ मीटिंग हुई थी, उसमें यह बात तय हुई थी कि मल्लिकार्जुन जी स्टेटमेंट देंगे और उस पर क्लेरिफिकेशन्स पूछे जाएंगे। ..(व्यवधान)..

श्री महेश्वर सिंह: हम आपकी बधाई दे सकते हैं, सुन नहीं सकते।

श्री मतंग सिंह: प्रधान मंत्री जी उस समय मौजूद रहेंगे। किसी भी मैम्बर को अगर कोई क्लेरिफिकेशन की जरूरत होगी, अगर वह प्रधान मंत्री से पूछना चाहेंगे तो प्रधान मंत्री ..(व्यवधान).. रिप्लाय करेंगे। दूसरी बात कि अननेसेसरी हमारे वरिष्ठ सहयोगी और सांसद इस मुद्दे का उठा रहे हैं कि हु इज़ दि रेलवे मिनिस्टर। ..(व्यवधान)..

श्री जनार्दन यादव: पहली बात बोलिए। ..(व्यवधान)..

श्री मतंग सिंह: ..(व्यवधान).. जब श्री सी० के० जाफर शरीफ विदेश यात्रा पर गए तो प्रधान मंत्री जी ने वह डिपार्टमेंट अपने पास रखा। उसके बाद उन्होंने श्री मल्लिकार्जुन, मिनिस्टर आफ स्टेट को रेलवे का राज्य मंत्री का कार्यभार सौंपा। ..(व्यवधान)..

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : यह कहां सौंपा है?  
..(व्यवधान)..

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : यह बताता है कि  
मल्लिकार्जुन जी इस विषय पर राज्य सभा में उत्तर देंगे।  
..(व्यवधान).. यह नहीं हुआ है।....(व्यवधान).... यह  
हाऊस को मिस-लीड कर रहे हैं। ....(व्यवधान)....

श्री सुन्दर सिंह भंडारी: आप क्यों नहीं प्राईम मिनिस्टर  
बन जाते। ..(व्यवधान).. आप प्राईम मिनिस्टर बन जाइए  
अपना एनाउंसमेंट करने के लिए। यह कहां से हो गया।  
....(Interruptions)... Who has done this?  
...(Interruptions)...

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI: Is it a  
private company? ... (Interruptions)... Is it your  
private limited company? ... (Interruptions)...  
This is absolutely objectionable.  
... (Interruptions)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SURESH  
PACHOURI) : I adjourn the House for the day.

The House then adjourned at twenty-  
seven minutes past two of the clock till  
eleven of the clock on Tuesday, the 22nd  
August, 1995.